पूर्वोत्तर रेलवे

श्री अमिताभ ओझा , वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक

के मार्गदर्शन

एवं

श्री रवि मिश्रा , कार्य कुशलता अधिकारी

के निर्देशन में

सम्पादित

''मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक मलेरिया , के अधीन कर्मचारी संख्या की समीक्षा''

द्वारा

शेखर कुमार
मुख्य योजना निरीक्षक

कार्य कुशलता संगठन
पूर्वोत्तर रेलवे
गोरखपुर

कार्याध्ययन सं0 – एन0ई0 / 11 / 2020–21
मिसिल संख्या – प्र / 560 / 1 / 2020–21 / 11

****

<u>अधिशासकीय सार</u>

1.	क्रम संख्या	–	11
2.	कार्याध्ययन संख्या	–	एन0ई0 / 11 / 2020–21
3.	मिसिल संख्या	–	प्र / 560 / 1 / 2017–18 / 11
4.	विषय	–	' मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक मलेरिया के अधीन कर्मचारी संख्या की समीक्षा''
5.	विभाग	–	चिकित्सा
6.	प्राधिकार	–	वरि0 उप महाप्रबन्धक द्वारा अनुमोदित कार्याध्ययन सूची वर्ष 2020–21 के अनुसार ।
7.	संदर्भित सीमायें:–	**(i)**	स्वास्थ्य ईकाइयों के अन्तर्गत वर्तमान परिस्थितियों में कार्यभार का आंकलन करना साथ ही साथ वाह्य श्रोतो से सम्पादित होने वाले कार्यों की सम्भा––वनाओं की समीक्षा करना।
		(ii)	स्थानीय परिस्थितियों एवं Mechanised spraying related instrument के परिप्रेक्ष्य में कार्यभार के अनुरूप आवश्यकता के अनुसार कर्मचारी संख्या का आंकलन करना।
		(iii)	कुल कर्मचारियों की आवश्यकता की गणना के उपरान्त सरप्लस कर्मचारियों की पहचान करके वर्तमान स्वीकृत संख्या से तुलना करके अभ्यर्पण हेतु संस्तुति देना।
8.	कार्याध्ययन किया गया	–	27
9.	संस्तुति सारांश	–	पृष्ठ संख्या– II
10.	अभ्यर्पण हेतु पदों की संख्या	–	12
11.	वित्तीय बचत	–	**रू0 95.21 लाख प्रति वर्ष**
12.	वितरण तिथि	–	सितम्बर / 2020

****

अनुक्रमणिका

क्रम सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	आभार	I
2.	संस्तुतियाँ एवं सुझाव	II
3.	वित्तीय परिणाम	III
4.	**अध्याय– प्रथम**	1–2
	प्रस्तावना, संदर्भित सीमायें एवं कार्याध्ययन विधि	
5.	**अध्याय– द्वितीय**	3–6
	कर्मचारी संख्या एवं कार्य का विवरण	
6.	**अध्याय– तृतीय**	07–08
	आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक कर्मचारी संख्या का ऑकलन स्वीकृत एवं सुझाव।	

****

(I)

आभार

कार्याध्ययन दल श्री दीपक बाड़ा ,सहायक स्वास्थ अधिकारी , गोरखपुर के प्रति गहन आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने कार्याध्ययन के सफल सम्पादन हेतु अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं तकनीकी निर्देशन प्रदान किया।

कार्याध्ययन दल श्री संजीव कुमार , मुख्य स्वास्थ्य मलेरिया व अन्य कर्मचारियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है। जिन्होंने कार्याध्ययन से संबंधित वॉछित ऑकड़े उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान किया।

****

(II)

संस्तुति एवं सुझाव

क्र0सं0	संस्तुति	मदसं 0
1.	संस्तुति की जाती है कि मुख्य चिकित्सा निदेशक/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के अधीन मलेरिया अनुभाग के मलेरिया मेट के 12 पद, जो आवश्यकता एवं कार्यभार से अधिक ऑकलित किये गये है तथा रिक्त भी है, को अतिशीघ्र अभ्यर्पित किया जाय।	3.7
	सुझाव	
1.	कॉलोनियों में अधिक से अधिक बृहद स्तर पर मैकेनाइज्ड स्प्रेइंग का प्रयोग किया जाना चाहिए।	
2.	आउटसोर्सिंग के माध्यम से बड़े पैमाने पर बडी मशीनों से स्प्रेइंग कार्य सफलता पूर्वक एवं मितब्ययिता के साथ संपन्न कराया जाये। स्प्रेइंग कार्य चरणवार विभागीय पर्यवेक्षण के अधीन प्रारम्भ किया जाना चाहिए।	
3	कॉलोनी वासीयों को कूड़ा डस्टविन में ही डालने हेतु जागरूक करना चाहिए तथा ऐसा न करने पर आर्थिक दण्ड का प्रावधान किया जाना चाहिए।	
4	रेल परिसर में जितनी भी नालिंयां है उन्हें उपर से कवर किया जाय जिससे नालियां जाम नहीं होगी और न ही मच्छर पनपेंगे।	
5	जिन मौसम में कीट ,पतंगे एवं मच्छर आदि जायदा पनपते हैं उस मौसम में ठेके पर सेनिटाइजिंग मशीनों के माध्यम बड़े स्तर पर छिडकाव हो। जिससे कि कीट ,पतंगे एवं मच्छरों को पनपने से रोका जा सके।	

****

(III)

वित्तीय परिणाम

कार्याध्ययन में दी गयी संस्तुतियों के क्रियान्वयन के फलस्वरूप रेल प्रशासन को अनुमानित वार्षिक आवर्ती बचत निम्नानुसार होगी :–

क्र सं.	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड पे	पदों की संख्या	औसत मूल्य प्रति पद प्रतिमाह (रू0 में)	कुल मूल्य प्रति माह (रू0 में)	वार्षिक आवर्ती बचत (रू0में)
1	मलेरिया मेट,	5200–20200	1800	12	66119	793428	9521136
			कुल योग	**20**			**9521136**

अतः रेल राजस्व की कुल आवर्ती वार्षिक बचत = ***रू0* पन्चानवें लाख इक्कीस हजार एक सौ छत्तीस मात्र।**

****

अध्याय— प्रथम

1.0 प्रस्तावना, संदर्भित सीमायें एवं कार्याध्ययन विधि :—

1.1 स्वास्थ्य इकाईयों के द्वारा मुख्यतः सफाई कार्य ही सम्पन्न किये जाते हैं। सफाई के साथ ही कीट पतंगों , मच्छर एवं विभिन्न प्रकार से फैलने वाली बीमारियों कें रोकथाम के लिये चिक्त्सा विभाग के मलेरिया अनुभाग के स्वास्थय निरीक्षक अपने अधीनस्थ कार्यरत कर्मचारियों एवं ठेकेदार के आदमियों के माध्यम से मैनुअल स्प्रेइंग मशीनों एवं फौगिंग मशीनों के द्वारा स्प्रेइंग एवं फौगिंग का कार्य करवाते हैं। विभिन्न प्रकार के यंत्रों एवं ठेके के माध्यम से कार्य होने के कारण इन इकाईयों का कार्यभार पूर्व से बहुत कम हो गया है। अतएव कार्य पद्धति संबर्धन के साथ ही साथ कर्मचारी लागत पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे रेल उत्पादकता को बढाया जा सके।

वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक, महोदय के निर्देश पर कार्यकुशलता संगठन द्वारा ''मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक मलेरिया के अधीन कर्मचारी संख्या की समीक्षा'' के अन्तर्गत कर्मचारी संख्या की समीक्षा'' विषय को कार्याध्ययन हेतु चुना गया है।

उक्त इकाई चिकित्सा निदेशक ललित नारायण मिश्रा रेलवे हास्पीटल /पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के प्रशासनिक कन्ट्रोल में कार्यरत है।

1.2. कार्याध्ययन को निम्नलिखित संदर्भित सीमाओं के अन्तर्गत सम्पन्न किया गया है।

1.2.1 स्वास्थ्य ईकाइयों के अन्तर्गत वर्तमान परिस्थितियों में कार्यभार का आंकलन करना साथ ही साथ वाहय श्रोतो से सम्पादित होने वाले कार्यों की सम्भावनाओं की समीक्षा करना।

1.2.2 स्थानीय परिस्थितियों एवं Mechanised spraying related instrument के परिप्रेक्ष्य में कार्यभार के अनुरूप आवश्यकता के अनुसार कर्मचारी संख्या का आंकलन करना।

1.2.3 कुल कर्मचारियों की आवश्यकता की गणना के उपरान्त सरप्लस कर्मचारियों की पहचान करके वर्तमान स्वीकृत संख्या से तुलना करके अभ्यर्पण हेतु संस्तुति देना।

1.3 **कार्याध्ययन विधि** :– कार्याध्ययन को सम्पन्न करने हेतु निम्नलिखित विधियों को अपनाया गया है।

1.3.1 इकाई के कार्यभार के विभिन्न आकड़े को इकठ्ठा किया गया जो प्रत्येक कोटि के कर्मचारी के कार्यभार को परिलक्षित करता है।

1.3.2 प्रत्येक इकाई के अन्तर्गत स्वीकृत कर्मचारी संख्या के सापेक्ष में मौजूद कार्यभार का विश्लेषण करना।

1.3.3 निजी प्रेक्षण एवं अवलोकन के साथ ही साथ पर्यवेक्षकों एवं अधिकारियों से परस्पर वार्तालाप सम्पन्न किया जाना।

1.3.4 कर्मचारी संख्या की गणना हेतु स्थानीय परिस्थितियों एवं भौगोलिक संरचना को ध्यान दिया जाना।

****

अध्याय– द्वितीय

2.0 कर्मचारी संख्या एवं कार्य का विवरण :–

2.1 कार्याध्ययन की परीधि में आने वाली स्वास्थ्य इकाई मलेरिया अनुभाग चिकित्सा विभाग के अधीन चिकित्सा निदेशक ललित नारायण मिश्रा रेलवे हास्पीटल/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के नियंत्रण में कार्यरत है। विदित है कि मलेरिया अनुभाग का बी.ओ.एस मुख्य चिक्त्सा निदेशक कार्यालय के बी. ओ.एस बिल यूनिट– 477 के अर्न्तगत है। मुख्य चिकित्सा निदेशक कार्यालय गोरखपुर के दिनांक 01.04.2019 के बी. ओ.एस अनुसार मलेरिया अनुभाग में मलेरिया मेट , मलेरिया खलासी एवं मलेरिया खलासी/एल.आर की निम्नलिखित पद हैं जिपका पिपरण निम्नवत है :–

क्र. सं.	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड–पे	स्वीकृत संख्या	वास्तविक संख्या
1	मलेरिया मेट	5200–20200	1800	24	03
2	मलेरिया खलासी एवं मलेरिया खलासी (एल. आर)	5200–20200	1800	03	12
			योग	27	15

नोटः– इन कर्मचारियों के अतिरिक्त ठेकेदार मेसर्स आर. एस इन्टरप्राइजेज के 11 कर्मचारी की भी डियूटी स्वास्थय निरीक्षक/मलेरिया द्वारा लगाई जाती है। इस प्रकार मलेरिया अनुभाग में सरकारी एवं प्राइवेट मिलाकर कुल 15 +11=26 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्य करते हैं।

2.2 **कार्य क्षेत्र का विवरण** :– स्वास्थय निरीक्षक मलेरिया का कार्य क्षेत्र में गोरखपुर एवं गोरखपुर छावनी में स्थित समस्त रेलवे कालोनियां के आवास , नालियां, प्रशासनिक

भवनों ,रेलवे चिकित्सालयों ,वर्कशापों ,एवं अन्य रेल संस्थान आदि सामिल हैं। जिसमें मांग के अनुरुप कीटनाशक आदि का छिड़काव आदि कराया जाता है।

2.3 <u>मलेरिया अनुभाग के कार्य विवरण</u> :– मानव जीवन में सफाई एवं स्वास्थय का महत्वपूर्ण स्थान है। स्वच्छता से मनुष्य स्वस्थ्य रहकर अत्यधिक कार्य क्षमता प्राप्त कर लेता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मलेरिया अनुभाग विभिन्न प्रकार के सेनीटाइजेशन , स्प्रेइंग एवं फागिंग का कार्य सम्पन्न किये जाते हैं। इस विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कोटियों के निर्धारित कार्य निम्नवत् है :–

2.3.1 <u>मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक/स्वास्थ्य निरीक्षक</u> :–

1. जन समुदाय की स्वास्थ्य शिक्षा का उत्तरदायी होगा।
2. सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों, बहुउद्देशीय अभियानो, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रमों, परिवार कल्याण कार्यक्रमों, मातृ शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा पल्स पोलियों बहुद्देशीय प्रतिरक्षण जैसे सामूहिक स्वास्थ्य अभियान कार्यक्रमों आदि में सक्रिय रूप से भाग लेना।
3. अपने क्षेत्र में मलेरिया, हैजा, प्लेग जैसी महामारी फैलने अथवा मृत्यु या बीमारी में किसी भी संदेहात्मक वृद्धि के संबंध में तत्काल मंडल के प्रभारी चिकित्साधिकारी को सूचित करेगा तथा जन समुदाय में संक्रामक रोगों के नियंत्रण हेतु सक्रिय कार्यवाही करेगा।
4. प्रतिरक्षण सहित सभी निवारक उपाय करेगा।
5. कॉलोनी की जनगणना करेगा तथा जन्म एवं मृत्यु पंजिका अनुरक्षित करेगा।
6. स्टेशनों एवं कॉलोनियों में जनसाधारण को बेचे जाने वाली खाद्य वस्तुओं एवं पेयों का निरीक्षण करेगा तथा जब प्राधिंत किया जाए तो खाद्य अपमिश्रण निवारक अधिनियम के अंतर्गत खाद्य निरीक्षक के रूप में कार्य करेगा।
7. अपने क्षेत्र में लगने वाले मेलों एवं उत्सवों के लिए सफाई व्यवस्था देखेगा।
8. रेजीडुअल क्लोरीन परीक्षण एवं वैक्टरियोलॉजिकल विश्लेषण हेतु नमूने एकत्र करके आपूर्ति किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता पर निगरानी रखेगा।
9. मच्छर रोधी, मक्खी रोधी एवं अन्य कीट नियंत्रण उपाय करेगा। अपने कार्यालय तथा अपने अधीन कार्मिकों के सभी प्रशासनिक कर्त्तव्यों का निर्वहन करेगा।
10. नालियों, शौचालयों व मूत्रालयों आदि में किसी भी खराबी के नोट करेगा तथा उनकी मरम्मत इंजीनियरी विभाग द्वारा कराने की व्यवस्था करेगा।
11. प्रत्येक सप्ताह में कम से कम तीन बार कूडा डालने की जगह का निरीक्षण करेगा।

12 सावधानी पूर्वक देखेगा कि ठेकेदारों से किए जाने वाले करारों की सभी शर्तों का पालन हो और किसी भी विसगति आदि की सूचना उच्चधिकारियों को तुरंत दी जाए।

2.3.2 मलेरिया मेट/मलेरिया खलासी :—

1. अवशिष्ट छिडकाव (Residual Spreying) का कार्य :— इसमें मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों को मारने के लिये एक कीट नाशक के साथ आवासों के अन्दर छिडकाव किया जाता है।
2. लार्वानाशक रसायनिक उपचार का कार्य :— इसके अर्न्तगत ऐसे क्षेत्र जहां जल जमाव के कारण डेगू एवं मलेरिया के मच्छरों का लार्वा पनपता हैं। उसके रोकने के लिये लार्वानाशक रसायनों का छिडकाव किया जाता है।
3. एन्टीफ्लाई मेजर्स का कार्य।
4. सैनिटाइजेशन कार्य।
5. जलकुम्भी सफाई का कार्य।
6. फागिंग का कार्य।

2.4 मलेरिया अनुभाग का कार्य समय (वर्किंग आवर्स) :—

सोमवार से शनिवार तक :—

08.00 बजे से 16.00 बजे तक (छिडकाव कार्य)

13.00 बजे से 21.00 बजे तक (फागिंग कार्य)

रविवार को समस्त कर्मचारियों का साप्ताहिक विश्राम रहता है।

2.5मलेरिया अनुभाग के टूल्स एंड प्लांटस :—

मलेरिया अनुभाग में निम्न प्रकार मशीनें है :—

1 मैनुवल स्प्रेइंग मशीन।

2 मैनुवल फागिंग मशीन

2.6 कार्यालय में मैन्टेन किये जाने वाले रिकार्ड का विवरण :—

1. उपस्थिति पंजिका रजिस्टर।
2. कर्मचारी कार्य वितरण रजिस्टर।
3. शिकायत पंजिका।
4. जीवाणु जॉच ंपजिका।

5. यूनिफार्म रजिस्टर।
6. कन्जूमेबल रजिस्टर।
7. टूल्स एवं प्लांट रजिस्टर।
8. पस एवं पी.टी.ओ. रजिस्टर।

****

अध्याय – तृतीय

3.0 आलोचनात्मक विष्लेशण, आवश्यक कर्मचारी संख्या का आंकलन संस्तुतियॉ एवं सुझावः—

3.1 मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक मलेरिया के अन्तर्गत मुख्यतः रेजीडूवल स्प्रेइंग, लार्वानाशक रसायनिक उपचार , एन्टीफ्लाई मेजर्स, सेनीटाइजेशन कार्य एवं फागिंग कार्य इत्यादि का कार्य सम्पादित कराया जाता है।

3.2 रेल परिक्षेत्र में कीट नाशक छिडकाव एवं फागिंग कार्य एवं उसमें व्यवहारिक रुप में होने वाली समस्याओं पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक से गहन विचार—विमर्श के उपरान्त कार्य करने की भौतिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कर्मचारी संख्या का आंकलन किया गया है। वर्तमान में मलेरिया अनुभाग में मुख्य स्वास्थय निरीक्षक के अधीन कुल 15 कर्मचारी मलेरिया मेट एवं मलेरिया खलासी के रुप में कार्यरत पाये गये।इसके अतिरिक्त ठेकेदार मेर्सस आर. एस इन्टरप्राइजेज के 11 प्राइवेट आदमी कार्य हेतु मिल हुये हैं। इन आदमियों से भी मलेरिया खलासी एवं मलेरिया मेट के द्वारा किया जाने वाला ही कार्य लिया जाता है। आवश्यकता एवं मांग के अनुसार स्वास्थय निरीक्षक अपने कर्मचारियों से स्प्रेइंग एवं फागिंग का कार्य करवाते है।

3.3 कार्याध्ययन में पाया मलेरिया अनुभाग में अभी भी मैनुअल स्प्रेइंग का प्रयोग किया जाता हैं। गोरखपुर पूर्वोत्तर रेलवे का मुख्यालय होने के कारण रेलवे का क्षेत्रफल बहुत लम्बा —चौडा है। ऐसे मैनुवल स्प्रेइंग की जगह प्रशासन को बडी मशीनो जो कि मोटावाहनों में व्यवसथित होती है से स्प्रेइंग एवं फागिंग का कार्य ठेके पर करवाना चाहिये जिससे कि कम समय में कम मानव शक्ति से अधिक से अधिक कार्य होगा।जिससे समय ,श्रम एवं धन की बचत होगी।

3.4 वर्तमान समय में जिस तरह हमारी प्रदेश सरकार शहरों में कवर नालियों का निमार्ण कर रही है उसी प्रकार रेलवे को भी अपने क्षेत्र में कवर नालियों का निमार्ण करवाना चाहिये। जिससे कि नालियां जाम नहीं होगी। जब नालियां जाम नहीं होगी तो उसमें मच्छर पनपने की सम्भावना भी नहीं होगी।

3.5 चुकि वर्तमान में मलेरिया अनुभाग में मलेरिया खलासी एवं मलेरिया मेट के कुल स्वीकृत पद 27 है। जिसमें से वर्तमान में 15 कर्मचारी ही कार्यरत हैं शेष 12 पद रिक्त चल रहे हैं। परन्तु 11 आदमी प्राइवेट ठेकेदार के मिलने के कारण वर्तमान में स्वीकृत बी.ओ.एस से मात्र

01 कर्मचारी भौतिक रुप में कम है। इसलिये 12 पदों के रिक्त होने सें भी कार्य प्रभावित नहीं हो रहा है।

3.6 कार्याध्ययन के दौरान ज्ञात हुआ है कि प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के द्वारा दिनांक 21.07.2020 को पत्रांक सं0 2019/मेड/563/5 के अर्न्तगत प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को (Rly Bord gide line "Surrender of 50%vacant posts in Non Safety category" के अर्न्तगत) कुल 74 पद सरेन्डर का proposal भेजा है। जिसमें उनके द्वारा मलेरिया मेट के खाली चल रहे 12 पदों को भी सरेन्डर के लिये शामिल किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मलेरिया मेट के 12 रिक्त पदों को सरेन्डर करने से कोई कार्य प्रभावित नहीं होगा जिसकी वजह से प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर इन पदों को सरेन्डर करना चाहते है।

3.7 संस्तुति :– संस्तुति की जाती है कि मुख्य चिकित्सा निदेशक/पूर्वोत्तर रेलवे/ गोरखपुर के अधीन मलेरिया अनुभाग के मलेरिया मेट के 12 पद, जो आवश्यकता एवं कार्यभार से अधिक ऑकलित किये गये है तथा रिक्त भी है, को अतिशीघ्र अभ्यर्पित किया जाय।

****